कोटद्वार और मुरादाबाद-नजीबाबाद के बीच के स्टेशनों के लिए विभिन्न श्रेणियों के प्रतिदिन औसतन कितने टिकट बिकते हैं ?

(ख) क्या कोटद्वार के लिए तीसरी श्रेणी का डिब्बा, जो कि पहले मसूरी एक्सप्रैस में लगा हुआ था, 1 अप्रैल 1971 से इसमें लगाना बन्द कर दिया गया है ।

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ।

(घ) इस समय कोटद्वार के लिए लगाये गये डिब्बो मे यात्रियो के सोने और बैठने के लिए कितने स्थान हैं ; और

(ङ) क्या यात्रियों की औसत संख्या को ध्यान मे रखते हुए सरकार का विचार कोटद्वार के लिए और अधिक डिब्बे लगाने का है ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) दिल्ली स्टेशन से नजीबाबाद-कोटद्वार और मुरादाबाद-नजीबाबाद खण्डो पर स्थित स्टेशनों के लिए जारी किए जाने वाले विभिन्न दर्जों के टिकटो की दैनिक औसत संख्या इस प्रकार है :—

	नजीबाबाद-कोटद्वार खण्ड	मुरादाबाद-नजीबाबाद खण्ड
पहला दर्जा	1	कोई नहीं
दूसरा दर्जा	1	"
तीसरा डाक/ एक्सप्रेस	146	1
तीसरा साधारण	13	38

(ख) जी नहीं । इस डिब्बे को केवल 1-4-1971 से केवल इस गाड़ी से हटा कर एक वैकल्पिक गाड़ी के साथ लगा दिया था और 1-7-1971 से इसे मसूरी एक्सप्रैस के साथ लगाने की पहले वाली व्यवस्था फिर से लागू की जा रही है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) पहला दर्जा तीसरा दर्जा

10 शायिकाएं 24 शायिकाएं और 200 सीटें ।

(ङ) जी नहीं, क्योंकि सीधे जाने वाले वर्तमान 3 सवारी डिब्बों में जितनी जगह की व्यवस्था है वह पर्याप्त समझी जाती है ।

हजारीबाग (बिहार) के लिए रेल सम्बन्ध

3374 श्री दामोदर पांडे : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के हजारीबाग जिले के मुख्यालय को रेल से जोड़ने के उद्देश्य से पिछले दिनों कोई सर्वेक्षण किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो कब तथा उक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट की मुख्य-मुख्य बातें क्या है ; और

(ग) क्या सरकार जिला हजारीबाग (बिहार) मुख्यालय को रेल से जोड़ने हेतु कोई योजना तैयार कर चुकी है अथवा यथासभव शीघ्र तैयार करने का विचार है, और यदि हां, तो उस योजना की रूपरेखा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) जी हां ।

(ख) 1945-48 में । यह सर्वेक्षण हजारीबाग टाउन से रायपुर हाट तक 320 कि०मी० लम्बी नयी लाइन के लिए किया गया था । इस परियोजना की तत्कालीन अनुमानित लागत 13.5 करोड़ रुपये थी और यातायात की कम सम्भावनाओं के कारण इस परियोजना को अलाभप्रद पाया गया ।

(ग) जी नहीं ।